बढ़ाई गई हैं। उन में से एक भी अभी ग्रंथ-वर्णना में नहीं आ पाई है।

चूंकि पुस्तकालय प्राय: उन लोगों के लिए हैं, जो सेना और इस से सम्बद्ध विषयों में अभिरुचि रखते हैं। पुस्तकें केवल इन्हीं विषयों पर प्राप्त की जाती हैं।

(ख) भाग (क) के उत्तर को सामने रखते हुए यह प्रश्न नहीं उठता।

†[THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI V. K. KRISHNA MENON): (a) The Indian National Bibliography is intended to furnish an exhaustive list of all publications and is published much after the books become available with booksellers. The Ministry of Defence Library does not normally look into this Bibliography but obtains books directly from the booksellers soon after the new books reach them. For instance six Hindi books have been added to the Ministry of Defence Library during the last seven months; none of these has so far appeared in the Bibliography.

Since the Library is intended primarily for those interested in military and allied subjects, only books on those subjects are obtained.

(b) Does not arise in view of answer to part (a).]

REPORT OF THE OIL PRICE ENQUIRY COMMITTEE

84. SHRI DAHYABHAI V. PATEL: Will the Minister of STEEL, MINES AND FUEL be pleased to state:

(a) whether the report of the Oil Price Enquiry Committee has been received by Government; and

(b) if so, what are its main findings and whether Government have accepted the findings of the Committee, and if so, what action Government propose to take, if any, in the matter?

THE MINISTER OF MINES AND OIL (SHRI K. D. MALAVIYA): (a) and (b) The Report of the Oil Price Enquiry Committee has been received and is under consideration.

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सम्बन्धी अनुदेशात्मक आदेशों का हिन्दी में जारी किया जाना

८५. **श्रीमती शान्ति देवी : क्या वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) योजना कार्य समिति में क्या चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सम्बन्धी सभी पत्र, ज्ञापन, आदेश आदि हिन्दी में तथा उनके हिन्दी अनुवाद के साथ जारी किये जा रहे हैं; और

(ख) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सम्बन्धी कितने पत्र, ज्ञापन, आदेश आदि गत छ: मास में जारी किये गये और उनमें से कितने हिन्दी में जारी किये गये ?

†[ISSUE OF INSTRUCTIONAL ORDERS IN HINDI PERTAINING TO CLASS IV EMPLOYEES

85. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether all the letters, memoranda, orders, etc., pertaining to class IV employees in the Committee on Plan Projects, are being issued in Hindi or along with their Hindi translation; and

(b) the number of letters, memoranda, orders, etc., pertaining to class IV employees that were issued during the last six months and how many of them were issued in Hindi?]

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी आर० देसाई): (क) जुलाई १९६१ के आखिरी दिनों से चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के नाम सभी सूचनाएं आदि हिन्दी में जारी की जा रही हैं,

†[ ] English translation.

लेकिन उनके बारे में अन्य अधिकारियों को लिखे जाने वाले पत्र आदि अंग्रेजी में भेजे जाते हैं और उनके हिन्दी अनुवाद सम्बद्ध कर्मचारी के नाम भेज दिये जाते हैं।

(ख) ३१ जुलाई, १९६१ तक के छः महीनों में चौथी श्रेणी के कर्मचारियों के सम्बन्ध में जारी की गयी सूचनाओं आदि की कुल संख्या ५० थी और उनमें से ४ हिन्दी में थीं।

†[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI R. DESAI): (a) From late July, 1961, all communications addressed to class IV employees are issued in Hindi; while those addressed in regard to them to other authorities are issued in English with a Hindi translation endorsed to the employee concerned.

(b) The total number of communications pertaining to class IV employees issued during the last six months upto 31st July, 1961 was 50, and 4 of them were issued in Hindi.]

हिन्दी में आये पत्रों के आंकड़ों का इकट्ठा किया जाना

८६. **श्रीमती शान्ति देवी** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गृह-कार्य मंत्रालय प्रति छः मास के उपरान्त सभी मंत्रालयों से ऐसे पत्रों के आंकड़े मांगता है, जो (१) उन्होंने हिन्दी में प्राप्त किये और (२) जिनका उत्तर उन्होंने हिन्दी में दिया; और

(ख) यदि हां, तो उन आंकड़ों का क्या उपयोग किया जाता है और क्या इन आंकड़ों के आधार पर उन विभागों को जहां हिन्दी पत्रों के उत्तर समुचित रूप से हिन्दी में नहीं दिये जाते, समय समय पर कोई परामर्श अथवा अनुदेश दिया जाता है ?

†[COLLECTION OF FIGURES RELATING TO HINDI COMMUNICATIONS

86. SHRIMATI SHANTI DEVI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that his Ministry collect figures from all the Ministries after every six months regarding the number of letters (i) received by them in Hindi and (ii) replied to by them in Hindi; and

(b) if so, what is the utility of these figures and whether on the basis of these figures any instruction or advice is given from time to time to those Departments which do not duly reply Hindi letters in Hindi?]

गृह-कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार): (क) जी हां।

(ख) इन आंकड़ों से यह पता चलता है कि हिन्दी के प्रयोग में कितनी वृद्धि हुई है और आवश्यकतानुसार सम्बद्ध विभागों को उचित परामर्श दिया जाता है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): (a) Yes.

(b) These figures indicate the progress made in the use of Hindi. Where necessary, suitable advice is given to the Departments concerned.]

दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी के माध्यम से शिक्षा

८७. **श्रीमती शान्ति देवी** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय ने हिन्दी के माध्यम से शिक्षा देने का निर्णय कब किया था ; और

(ख) इस निर्णय को कार्यरूप में परिणत करने के लिये अब तक क्या कदम उठाये गये हैं और कब से हिन्दी के माध्यम से शिक्षा देना आरम्भ हो जायेगा ?

†[ ] English translation.